आकाशवाणी के स्टाफ आर्टिस्टों के लिए पेंशन

4843. **श्री भवाब सिंह चौहान** : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आकाशवाणी के स्टाफ आर्टिस्टो को पेंशन न दिये जाने के क्या कारण हैं, और

(ग) क्या सरकार का विचार नियमों में संशोधन करके सभी कर्मचारियों को पेंशन देने की नीति अपनाने का है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री लाल कृष्ण आडवाणी) : (क) पेंशन उन सरकारी कर्मचारियों को देय है जो नियमो के अधीन सेवानिवृत्ति के समय किसी स्थायी पद को स्थायी तौर पर धारण किए हुए हों और जिनकी अर्हक सेवा दस वर्ष से कम न हो। आकाशवाणी के स्टाफ आर्टिस्ट चूंकि ठेके पर काम करने वाले कर्मचारी हैं, वे पेंशन के हकदार नहीं है । तथापि, वे अंशदायी भविष्य निधि के लाभों के हकदार हैं । कतिपय शर्तों के अंतर्गत अंशदायी भविष्य निधि के लाभों के अतिरिक्त उन्हे ग्रेच्यूटी भी दी जाती है ।

(ख) इस प्रकार का कोई प्रस्ताव सरकार के पास नहीं है ।

Licences for Radios

4844. SHRIHALIMUDDIN AHMED: Willthe Minister of INFORMATION AND BRODCASTING be pleased to state the total number of Radio licences in the year 1977-78 and the total number out of that which were renewed in 1979--80 thereof ?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI L. K. ADVANI): The figures of radio/TV licences are compled on the basis of clndaar for year and not financ al year. The figures the year 1978 are being compiled.

2. The total number of licences both for radio and TV as on the 31st December 1977 was 2,30,69,706. The number of licences renewed on that date is 2,07,73,068. Out of this the number of radio licences renewed is 2,00,96,453.

शिवाजी, महात्मा फूले, विश्वेश्वर, महाराणा प्रताप, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस और डा० अम्बेडकर की जीवनियों का प्रकाशन

4845. **श्री केशवराव धोंडगे** : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार छत्रपति शिवाजी, महात्मा फूले, महात्मा विश्वेश्वर, महाराणा प्रताप, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस और बाबा साहेब अम्बेडकर की जीवनियां देश की सभी भाषाओं में प्रकाशित करने सम्बन्धी योजना पर सरकार विचार कर रही है ;

(ख) क्या उनका साहित्य देश की सभी भाषाओ मे प्रकाशित करने की योजना सरकार के विचाराधीन है; और

(ग) यदि नही, तो इसके क्या कारण है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री लाल-कृष्ण आडवाणी) : (क) प्रकाशन विभाग ने, 'बिल्डर्स आफ माडर्न इंडिया' के अन्तर्गत नेताजी सुभाष चन्द्र बोस तथा डा० बी० आर० अम्बेदकर की जीवनियां अंग्रेजी में प्रकाशित की है । इन जीवनियों के हिन्दी संस्करण तैयार किए जा रहे है । 'भारतीय इतिहास के निर्माता' पुस्तकमाला के अंतर्गत छत्रपति शिवाजी तथा महाराणा प्रताप पर हिन्दी में संक्षिप्त जीवन चरित्र प्रकाशित किए गए है ।